# सक्सेस मिरर

सफलता का कैप्सूल

Visit us at : www.pdgroup.in

वर्ष : 12 | अंक : 138 | अक्टूबर : 2021


## इस अंक में...


7 सम्पादकीय

9 समसामयिकी घटना संग्रह

10 समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

### 18 आर्थिक घटना संग्रह

- RBI ने की द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा
- फेसबुक ने भारत में लघु व्यवसाय ऋण पहल शुरू की
- भारत के सभी हिस्सों को जोड़ने के लिए 75 नई वंदे भारत ट्रेनें
- प्रधानमंत्री मोदी ने डिजिटल पेमेंट सॉल्यूशन 'ई-रूपी' लॉन्च किया
- फॉर्च्यून ग्लोबल 500 सूची में 7 भारतीय कम्पनियाँ शामिल

### 22 राष्ट्रीय घटना संग्रह

- आजादी का अमृत महोत्सव के रूप में मनाया गया 75वाँ भारतीय स्वतंत्रता दिवस 2021
- प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय ऑटोमोबाइल कबाड़ नीति की घोषणा की
- भारत ने 2047 तक 'ऊर्जा स्वतंत्र' बनने का लक्ष्य निर्धारित किया
- कर्नाटक राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागू करने वाला पहला राज्य

### 26 अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- अशरफ गनी देश छोड़ भागे, तालिबान ने किया अफगानिस्तान पर कब्जा
- पीएम मोदी UNSC डिबेट की अध्यक्षता करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री
- पहला ओस्लो समझौता और इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष
- अमरीका ने पहली बार ताइवान को हथियार बेचने को मंजूरी दी

### 29 खेल खिलाड़ी

- टोक्यो ओलम्पिक 2020 का समापन
- खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने फिट इंडिया फ्रीडम रन 2·0 की शुरूआत
- शाकिब अल हसन और स्टेफानी टेलर को ICC प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया

33 विज्ञान समाचार

34 महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

37 समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न

### लेख

40 **सामयिक लेख**—परिवर्तनकारी शिक्षा प्रौद्योगिकी नीति

41 **स्वास्थ्य विज्ञान लेख**—सुदृढ़ सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली की आवश्यकता

42 **प्रौद्योगिकी लेख**—कम्प्यूटर टेक्नोलॉजी का नया आयाम : एज कम्प्यूटिंग

43 **शैक्षिक लेख**—नई शिक्षा नीति में निहित मानव संसाधन मूल्य

44 **पारिस्थितिकी लेख**—भारत की जलवायु नीति

77 **प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता**

79 **तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-135 का परिणाम**

80 **भारत की विविध पारम्परिक नाट्य शैलियाँ**

82 **रोजगार अवसर**

### हल प्रश्न-पत्र

45 एस.एस.सी. दिल्ली पुलिस कॉंस्टेबिल (एक्जीक्यूटिव) भर्ती परीक्षा, 2020

52 आर.पी.एफ./आर.पी.एस.एफ. सब-इंस्पेक्टर (एक्जीक्यूटिव) कम्प्यूटर आधारित परीक्षा, 2018

### मॉडल हल

60 आगामी आईबीपीएस द्वारा आयोजित बैंक लिपिकीय संवर्ग (प्रा.) परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

70 आगामी राजस्थान पटवार भर्ती परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न



संस्थापक सम्पादक : स्व. श्री महेन्द्र जैन | सम्पादक : राहुल जैन | रजिस्टर्ड ऑफिस : 2/11ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2

ई-मेल : सम्पादकीय : publisher@pdgroup.in कस्टमर केयर : care@pdgroup.in

- सम्पादकीय ऑफिस : 1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी, आगरा-मथुरा बाईपास, **आगरा**–282 005 — **फोन**–2531101, 2530966
- दिल्ली ऑफिस : 4845, अंसारी रोड, दरियागंज, **नई दिल्ली**–110 002 — **फोन**–011-23251844, 43259035
- पटना ऑफिस : पारस भवन (प्रथम तल), खजांची रोड, **पटना**–800 004 — **मो**–09334137572
- हैदराबाद ऑफिस : 16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा, आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड, (आन्ध्रा बैंक के बगल में), **हैदराबाद**–500 036 (तेलंगाना) — **मो**–09391487283
- हल्द्वानी ऑफिस : 8-310/1, ए. के. हाउस, हीरानगर, **हल्द्वानी**, जिला–नैनीताल–263 139 (उत्तराखण्ड) — **मो**–07060421008



सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे–इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

सम्पादकीय

# अपना कॅरियर आपको स्वयं तय करना चाहिए

अतीत से वर्तमान तक यह प्रश्न सर्वकालिक बना हुआ है कि अपने भविष्य के प्रति चिन्तित युवा आखिर कौनसा मार्ग चुनें ? प्रत्येक अभिभावक की यह लालसा और प्रयास रहता है कि उसका पाल्य उच्च शिक्षित-प्रशिक्षित होकर सम्मानजनक रोजगार प्राप्त करे; पेशेवर के रूप में ऐसा पेशा चुनें जो समाज में प्रतिष्ठा प्रदान करने के साथ-साथ धनोपार्जन का अच्छा साधन भी हो, लेकिन जनसंख्या में तीव्र वृद्धि के परिणाम-स्वरूप रोजगार के अवसरों की तुलना में रोजगार माँगने वालों की संख्या बहुत अधिक है. रोजगार अवसरों में माँग एवं पूर्ति के इसी अन्तराल ने युवाओं को दिग्भ्रमित कर दिया है.

इंजीनियरिंग और चिकित्सा क्षेत्र में कॅरियर तलाशने की इस होड़ ने युवाओं का हित कम अहित अधिक किया है. इंजीनियरिंग, चिकित्सा, विधि शिक्षा के प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश को ही कॅरियर बनाने की गारण्टी मान लिया गया है. भारत के सन्दर्भ में एक अति विशिष्ट चलन देखने को मिल रहा है कि दसवीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद देश के नामी-गिरामी कोचिंग संस्थानों में कोचिंग पर बहुत बड़ी धनराशि खर्च करके आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से बी.टेक. की डिग्री प्राप्त करने वाले सैकड़ों युवा अन्ततः मानविकी और भाषा जैसे विषय लेकर सिविल सेवा परीक्षाएं उत्तीर्ण करके आईएएस, आईपीएस, आईएफएस, पीसीएस, पीपीएस बनना ही क्यों पसन्द कर रहे हैं ? यदि उन्हें मानविकी के विषयों से ही अपना सर्वोत्तम कॅरियर बनाना था, तो कोचिंग और ऊँची फीस वाले संस्थानों में समय को व्यर्थ क्यों गँवाया ? इससे उन्हें भले ही उच्च-स्तरीय सेवा में कार्य करने का अवसर मिल गया हो, लेकिन इससे देश एवं समाज का भला तो नहीं हुआ. तकनीकी शिक्षा या चिकित्सा शिक्षा अति विशिष्टता वाले क्षेत्र हैं. इन विशिष्टता धारक युवाओं की योग्यता और कौशल का लाभ उन क्षेत्रों को नहीं मिला जहाँ मिलना चाहिए था.

कॅरियर बनाने की ओर अग्रसर युवाओं के लिए सर्वोत्तम पथ तो वह है, जो उनकी अभिरुचि, ज्ञान एवं कौशल के अनुरूप है. व्यर्थ का अंधानुकरण उन्हें अँधेरे की ओर ही ले जाता है. श्रम विशिष्टीकरण की जो सीख आज से 200 वर्ष पूर्व अर्थशास्त्र के जनक एडम स्मिथ ने दी थी वह आज भी

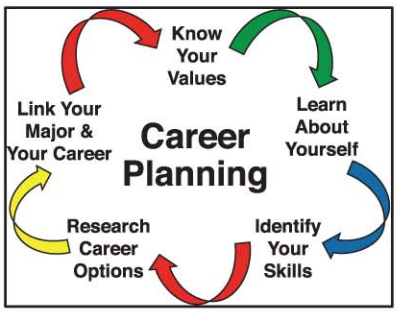


प्रासंगिक है. प्रत्येक को वही करना चाहिए जो वह सर्वश्रेष्ठ तरीके से कर सकता है. इसकी शुरूआत हाईस्कूल परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद से ही करनी चाहिए. युवा "वही पढ़ें, जो उन्हें पसन्द है, जो उनकी समझ में आता है और जिसमें वे विशिष्टता हासिल कर सकते हैं." इससे उनका भी भला होगा और देश का भी.